



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को डूंगरपुर में चौरासी व सलुम्बर उपचुनावों के संदर्भ में भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक की तथा जिले में विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की। डूंगरपुर पहुँचने पर पुलिस लाइन हेलीपैड पर उनका स्वागत किया गया व गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

जिन्होंने युवाओं को आँसू देने का काम किया है उन्हें छोड़ा नहीं जायेगा: भजनलाल शर्मा

डूंगरपुर में मुख्यमंत्री ने कहा कि देश विरोधी बात करने वाले को नहीं बख्शा जायेगा

डूंगरपुर, 9 अक्टूबर (निर्स)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान, चौरासी व सलुम्बर विधान सभा क्षेत्र के आगामी उप चुनावों को लेकर मण्डल स्तरीय कार्यकर्ताओं की एक बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा, इन दोनों उप चुनावों में पार्टी कार्यकर्ता पूरे मनोयोग के साथ काम करते हुए जीत सुनिश्चित करें, ताकि क्षेत्र की जनता को विकास के मूलमंत्र के साथ जोड़ा जा सके।

गुरुकुल पी.जी. कॉलेज में आयोजित इस बैठक में उन्होंने कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि केन्द्र व राज्य में सत्ता हमारी होने के कारण कार्यकर्ताओं की भावनाओं का पूरा ख्याल रखा जायेगा। साथ ही, उन्होंने चेतवानी भी दी कि देश विरोधी बात

तीन वैज्ञानिकों को कैमिस्ट्री का नोबल

स्टॉकहोम, 9 अक्टूबर। साल 2024 के रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार के विजेताओं का ऐलान कर दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडेमी ऑफ साइंसेज ने बुधवार को बताया है कि रसायन विज्ञान में 2024 का प्रोटीन पर रिसर्च के लिए पुरस्कार डेविड बेकर, डैमीस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर को देने का फैसला किया है। डेविड बेकर को "कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन" के लिए और जॉन एम. जम्पर को "प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी" के लिए चुना गया है।

रॉयल स्वीडिश एकेडेमी ऑफ साइंसेज के महासचिव हैंस एलेटोन ने बताया है कि इस साल का रसायन विज्ञान का नोबल दो हिस्सों में दिया जा रहा है। एक हिस्से में डेविड बेकर हैं और दूसरे

■ प्रोटीन पर रिसर्च के लिए दिए गए इस अवॉर्ड में आधी पुरस्कार राशि डेविड बेकर को नये प्रोटीन के निर्माण के लिए तथा आधी राशि डैमीस हसाबिस और जॉन जम्पर को प्रोटीन की जटिल संरचनाओं की भविष्यवाणी के लिए दिया गया है।

आधे हिस्से में संयुक्त रूप से डैमीस हसाबिस और जॉन एम. जम्पर हैं। डेविड बेकर सिप्टल में यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन में काम करते हैं तथा डैमीस हसाबिस और जॉन जम्पर लंदन में मृगल डीपमाइंड में काम करते हैं। बेकर ने पूरी तरह से नए प्रकार के प्रोटीन के निर्माण को लागू करने के लिए उपलब्धि हासिल की है। वहीं, हसाबिस और जम्पर ने प्रोटीन की जटिल संरचनाओं की भविष्यवाणी करने की 50 साल पुरानी समस्या को हल करने के लिए एक ए.आई. मॉडल तैयार किया है। रॉयल स्वीडिश एकेडेमी ने कहा है कि बेकर के रिसर्च गुप ने कई प्रोटीन का उत्पादन किया है, जिनका उपयोग फार्मास्यूटिकल्स, टीके, नैनोमैटीरियल्स और छोटे सेंसर के तौर में किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने उदयपुर संभाग की आदिवासी बैल्ट, चौरासी व सलुम्बर में होने वाले विधानसभा उपचुनावों में भाजपा की जीत के बारे में पार्टी कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया।

करने वाले किसी भी कर्मचारी को बख्शा नहीं जायेगा और ऐसे तत्वों को चिन्हित कर उनके खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की जायेगी।

उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने राज्य के युवाओं को आँसू देने का काम किया है, उन्हें छोड़ा नहीं जायेगा, युवा अपने भविष्य के प्रति निराश न हों। मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं को पार्टी से जोड़ें एवं आगामी उप चुनावों में पार्टी की जीत सुनिश्चित करें, ताकि विकास यात्रा को

अनवरत गति से जारी रखा जा सके। इस दौरान, दोनों विधानसभा क्षेत्रों के मण्डल कार्यकर्ताओं के साथ वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री ने समस्याएँ सुनीं तथा हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

बुधवार दोपहर को डूंगरपुर के दौरे पर पुलिस लाइन हेलीपैड पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इसके बाद बोरी में गुरुकुल कॉलेज में चौरासी और सलुम्बर विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मुख्यमंत्री ने बंद

कमरे में मंत्रणा की तथा कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया। इस यात्रा में मुख्यमंत्री के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठीड भी थे। पुलिस लाइन हेलीपैड पर राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, जिलाध्यक्ष हरिश पाटीदार, पूर्व मंत्री सुशील कटारा, सांगवाड़ा विधायक शंकर डेवा सहित भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। गुरुकुल कॉलेज में श्रीचंद कुपलानी एवं पूर्व राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन सिंह समेत कई नेताओं ने उर्पणा ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद, मुख्यमंत्री भाजपा की संगठनात्मक बैठक में शामिल हुए। कॉलेज परिसर के हॉल में मुख्यमंत्री के चौरासी और सलुम्बर विधानसभा के भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विस्तारक मौजूद थे।

हरियाणा के निर्दलीयों ने भाजपा को समर्थन दिया

चंडीगढ़, 09 अक्टूबर। हरियाणा विधानसभा में चुने गये तीनों निर्दलीय विधायकों ने भारतीय जनता पार्टी को अपना समर्थन देने की घोषणा की है।

चुनाव में तीन निर्दलीय विधायक, सावित्री जिंदल, देवेन्द्र कादियां और राजेश जून, क्रमशः हिसार, गनौर एवं बहादुरगढ़ से चुने गये थे। इनमें से जिंदल और कादियां भाजपा के बागी थे और जून कांग्रेस के बागी थे। हरियाणा भाजपा ने अपने आधिकारिक दिवंबर हैन्डल पर यह जानकारी दी है।

भाजपा को 48 सीटें मिली हैं, जो बहुमत के आँकड़े 46 अधिक थीं, तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन मिलने पर भाजपा ने लिखा है, शगुन की संख्या इक्यावन।

रतन टाटा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) केयर यूनिट में भर्ती हैं। उनका ब्लड प्रेशर काफी कम हो गया था। इसके बाद रतन टाटा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बताया था, मैं टीक हूँ और ज्यादा उम्र के कारण रुटीन चेकअप के लिए अस्पताल गया था।

चिंता की कोई बात नहीं है। 28 दिसंबर 1937 को जन्मे रतन टाटा, टाटा ग्रुप के संस्थापक जमशेदजी टाटा के परपोते हैं। वे 1990 से 2012 तक ग्रुप के चेयरमैन थे और अक्टूबर 2016 से फरवरी 2017 तक अंतरिम चेयरमैन थे। रतन, टाटा ग्रुप के चैरिटेबल ट्रस्ट्स के प्रमुख थे।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग को हरियाणा चुनाव पर 20 शिकायतें सौंपी

आयोग से बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने कहा, 48 घंटे में और शिकायतें पेश करेंगे

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी शिकस्त के बाद, जयपुर रमेश सहित कई पार्टी नेताओं ने इसे अस्वीकार्य बताया था और चुनाव आयोग पर भी सवाल खड़े किए थे। इसी के बाद, चुनाव आयोग ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखा। इसमें कहा गया कि कांग्रेस नेताओं ने जिस तरह के बयान दिए, वो लोकतांत्रिक व्यवस्था में कभी नहीं सुने गए। साथ ही, कांग्रेस के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को बैठक के लिए बुलाया गया। बुधवार शाम को हुई इस बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने बताया कि हमने चुनाव आयोग के सामने अपनी बातें रख दी हैं। बीस शिकायतें हमारे पास थीं। अगले 48 घंटों में हम बाकी शिकायतें भी उनके सामने रखेंगे। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वह इनके जवाब देगा।

चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद कांग्रेस

नेता पवन खेड़ा ने कहा कि आज केसी वेणुगोपाल, अशोक गहलोत, अजय माकन, जयराम रमेश, भूपिंदर सिंह हुड्डा और पार्टी के अन्य नेताओं ने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात की। हमने चुनाव आयोग को हर बात से अवगत कराया। करीब 20 शिकायतें, जो हमारे पास आई हैं, उनमें से 7 लिखित शिकायतों में ऐसी मशीनों का जिक्र था, जो वोटिंग के दिन 99 फीसदी बैटरी दिखा रही थीं। अन्य सामान्य मशीनों 60-70 फीसदी दिखा रही थीं। हमने चुनाव आयोग को इससे अवगत कराया।

पवन खेड़ा ने आगे कहा, हमने मांग की है कि जांच पूरी होने तक उन मशीनों को सील कर सुरक्षित रखा जाए। हमने चुनाव आयोग को यह भी कहा कि अगले 48 घंटों में हम बाकी शिकायतें भी उनके सामने रखेंगे। चुनाव आयोग ने हमें आश्वासन दिया है कि वह जवाब देगा।

हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता

■ कांग्रेस नेताओं की शिकायत के अनुसार, सात जगह वोटिंग मशीनें 99 प्रतिशत बैटरी दिखा रही थीं जबकि, सामान्य मशीनें 60-70 प्रतिशत दिखा रही थीं।

भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के नतीजे चौकाने वाले हैं, क्योंकि सभी को लग रहा था कि कांग्रेस सरकार बनने जा रही है। सभी सर्वे रिपोर्टों में यही था। जब पोस्टल बैलेट की गिनती शुरू हुई तो कांग्रेस हर जगह आगे चल रही थी, लेकिन जब ई.वी.एम. की गिनती शुरू हुई तो कांग्रेस पिछड़ रही थी। हमें कई शिकायतें मिली हैं। कई जगहों पर वोटों की गिनती में देरी हुई।

इससे पहले, हरियाणा चुनाव के नतीजों को अस्वीकार्य बताने वाले कांग्रेस नेताओं के बयान

पर चुनाव आयोग ने सवाल उठाए। आयोग ने कहा कि देश के समूह लोकतांत्रिक इतिहास में ऐसे बयान पहले नहीं सुने गए थे। बोलने की स्वतंत्रता की वैधानिकता से भी परे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में आयोग ने

प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। इससे दक्षिण में पेरु फेलानो की पार्टी की ताकत बढ़ी है। अब भाजपा की कोशिश कम कर देगी, जिसकी सोशल मीडिया पर भारी चर्चा हो रही थी। अभी तक भाजपा अध्यक्ष मोदी के प्रति निष्ठावान रहे हैं। चर्चा थी कि राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और अन्नामलाई से मुलाकात की जाएगी, जो पार्टी मामलों में मोदी और शाह पर अंकुश लगाएंगे। लेकिन हरियाणा के नतीजों में भाजपा में भारी बदलाव करने की संघ की शक्तियों पर

बॉर्डर पर 2,280 किलोमीटर सड़क बनेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 9 अक्टूबर। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्थान और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्र में 2,280 किलोमीटर सड़क बनाने की मंजूरी दे दी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने के लिए यह मंजूरी दी गई है। इस पर 4,406 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

■ केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 4,406 करोड़ रु. की लागत के इस प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई। इसमें राजस्थान और पंजाब के बॉर्डर पर सड़क बनाई जाएगी।

यह प्रोजेक्ट सोच में आए बदलाव का नतीजा है, जिसके तहत देश के अन्य भागों की तरह सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास किए जाने को भी महत्व दिया जा रहा है।

इस निर्णय से इन क्षेत्रों में सड़क व दूरसंचार कनेक्टिविटी बढ़ेगी और जल आपूर्ति, स्वास्थ्य व शिक्षा के क्षेत्र में विकास होगा, ग्रामीणों का जीवन स्तर सुधरेगा, यात्रा की सुविधा होगी।

पैंथर ने सायरा के पास दो बछड़ों का शिकार किया

वन विभाग ने पैंथर की तलाश के लिए लाइव स्ट्रीमिंग सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये

उदयपुर, 9 अक्टूबर (कांस)। जिले की गोगुंदा तहसील में पैंथर अब तक वन विभाग के जाल में नहीं फंसा है, जो टीम को छका रहा है और थका भी रहा है। टीम को पैंथर के पगमार्क मिले हैं और जंगल में अब सी.सी.टी.वी. कैमरे भी लगाये जा रहे हैं। गोगुंदा से करीब 45 किमी दूर सायरा में भी पैंथर के मूवमेंट की जानकारी मिली है।

आदमखोर पैंथर को पकड़ने के लिए वन विभाग ने जंगल में लाइव स्ट्रीमिंग करने वाले सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाए हैं। इससे पहले ट्रेप कैमरे लगाए गए थे लेकिन उनका डेटा अगले दिन प्राप्त होने के कारण एक्शन लेने में देर हो रही थी। अब सी.सी.टी.वी. कंट्रोल एक्सेस से तुरंत पता चल जाएगा कि पैंथर का मूवमेंट शूटर वाली टीम के आस पास हो रहा है या नहीं।

पैंथर ने मंगलवार रात सायरा थाना क्षेत्र के पदराडा गांव में पूर्व सरपंच हरिसिंह राणावत के घर के परिसर में बंधे दो बछड़ों का शिकार किया। बुधवार सुबह जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए और वन विभाग को सूचना दी। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले 10 दिन से पदराडा

■ गोगुंदा से 25 किलोमीटर दूर सायरा के परराडा गाँव के पेट्रोल पम्प के पास सोमवार रात 11:30 बजे पैंथर नजर आया था।

■ एमरजेंसी रैस्पांस टीम को मंगलवार की रात जंगल में पैंथर के "पग मार्क" मिले।

गांव के आसपास पैंथर का मूवमेंट बढ़ा है। इससे पहले पैंथर एक गाय का शिकार कर चुका है।

पदराडा के पेट्रोल पंप के समीप भी पैंथर के चिचरन की जानकारी मिली है। सुआवतो का गुडा गांव के बंशीलाल मेघवाल ने बताया कि सोमवार रात करीब 11.30 बजे पदराडा के पेट्रोल पंप के पास पैंथर देखा था। मंगलवार दोपहर को सड़क किनारे एक गाय मृत मिली थी। उनका अंदेशा है कि पैंथर ने ही गाय को मारा है। गोगुंदा में पैंथर की तलाश के लिए

वन विभाग की टीम बडगांव पंचायत समिति के राठौड़ों का गुडा और पड़ोसी गांव गोगुंदा के केलवां का खेड़ा में तैनात है। जयपुर से आई एमरजेंसी रैस्पांस टीम (ई.आर.टी.) के दल ने बुधवार को भी जंगल को खंगाला। टीम को मंगलवार रात जंगल में पैंथर के पगमार्क मिले थे। पगमार्क के आधार पर पता चला कि पैंथर आगे की तरफ बढ़ता गया है। वन अधिकारियों का मानना है कि पगमार्क से पैंथर के यहीं पर होने का अंदेशा है। दल में अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एडिशनल पी.सी.सी.एफ.) वाइल्ड लाइफ, राजेश गुप्ता, रणधर्मा के फील्ड डायरेक्टर अनूप के.आर. और केवलादेव नेशनल पार्क के डी.एफ.ओ. मानस सिंह ने स्थानीय अधिकारियों और ग्रामीणों से भी फीडबैक लिया है।

वन विभाग अधिकारियों ने बताया कि सी.सी.टी.वी. कैमरे सोलार ऊर्जा से चलने वाले हैं और इनका एक्सेस एक टीम और कुछ अधिकारियों को दिया गया है। इनसे लगातार निगरानी की जाएगी। उसके बाद जैसे ही पैंथर दिखेगा, तो उसे ट्रैक्यूलाइज या शूट करने के लिए वहां तैनात टीम को अलर्ट कर दिया जाएगा।

दिवराला सती महिमा मंडन प्रकरण में 8 आरोपी बरी

जयपुर, 9 अक्टूबर। सती निवारण मामलों की विशेष अदालत ने सीकर के दिवराला में वर्ष 1987 में हुए रूपकंबर सती कांड के बाद घटना के महिमा मंडन के मामले में आठ आरोपियों, महेंद्र सिंह, दशरथ सिंह, श्रवण सिंह, निहाल सिंह, जितेन्द्र सिंह, उदय सिंह, लक्ष्मण सिंह और भंवर सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

राजेन्द्र सिंह राठीड और रूप कंबर के भाई गोपाल सिंह राठीड सहित 25 लोगों को बरी कर चुकी है, जबकि मूल घटना के बाद गिरफ्तार किए गए 32 लोगों को सीकर की कोर्ट अक्टूबर,

■ विशेष अदालत ने वर्ष 1989 में हुई इस घटना के महिमा मंडन के मामले में आठ आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

राजेन्द्र सिंह राठीड और रूप कंबर के भाई गोपाल सिंह राठीड सहित 25 लोगों को बरी कर चुकी है, जबकि मूल घटना के बाद गिरफ्तार किए गए 32 लोगों को सीकर की कोर्ट अक्टूबर,

1996 में बरी कर चुकी है। मामले के अनुसार, जयपुर निवासी रूप कंबर का विवाह दिवराला के मालसिंह के साथ हुआ था। विवाह के करीब सात माह बाद ही मालसिंह की बीमारी से मौत हो गई थी। चार सितंबर, 1987 को 18 वर्षीय रूप कंबर की, अपने पति मालसिंह की चिता के साथ जलकर मौत हो गई थी। इसके बाद 22 सितंबर, 1988 को समाज के लोगों ने दिवराला से अजीतगढ़ तक जुलूस निकाला, लेकिन बारिश के कारण जुलूस ज्यादा आगे नहीं चल पाया। रात करीब आठ बजे

45 लोगों ने ट्रक में बैठकर जुलूस को फिर से शुरू किया। इसके चलते, पुलिस ने इन 45 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के महज चार दिन बाद ही, पुलिस ने 26 सितंबर को इनके खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था। लंबी सुनवाई के बाद, अदालत ने इनमें से 25 लोगों को साल 2004 में बरी कर दिया था। मामले में 11 सितंबर, 2019 को आरोपी लक्ष्मण सिंह ने अदालत में समर्पण किया था। इन 45 लोगों में से करीब आधा दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है और इतने ही फरार चल रहे हैं।

अदालत ने सी.एम. को विदेश जाने की सशर्त अनुमति दी

जयपुर, 9 अक्टूबर। जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को 13 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक जर्मनी और यू.के. जाने की सशर्त अनुमति दे दी है। अदालत ने ये आदेश मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि विदेश जाने से पूर्व यात्रा का विवरण अदालत में पेश किया जाए। इसके अलावा, विदेश यात्रा से आने पर इसकी सूचना तत्काल अदालत में पेश की जाए। अदालत ने कहा कि उनकी अनुपस्थिति के आधार पर अदालत की कार्यवाही में कोई रुकावट नहीं की जाएगी और न अनावश्यक स्थगन ही लिया जाए।

मुख्यमंत्री की ओर से अधिवक्ता अश्विनी बोहरा द्वारा प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया कि प्रार्थी के खिलाफ एक

■ अनुमति में, विदेश जाने से पहले यात्रा का विवरण तथा वापस आने पर अदालत को तत्काल सूचना देने की शर्त लगाई है।

मामले में 30 सितंबर 2013 को कोर्ट में चालान पेश किया गया था। प्रार्थी प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं और उन्हें अक्सर राजकार्य से बाहर जाना पड़ता है। उन्हें "राष्ट्रिय राजस्थान" कार्यक्रम के तहत विदेशी निवेशकों से चर्चा व संवाद और प्रदेश में निवेश के निमंत्रण के लिए 1.3 से 25 अक्टूबर तक यू.के. व जर्मनी की यात्रा करनी है। पूर्व में भी, इस संबंध में एक व्यक्ति सांवरमूल ने एक प्रार्थना पत्र पेश किया था, जो कोर्ट में पेंडिंग है। उन्होंने अग्रिम जमानत की शर्तों की अवहेलना नहीं की है। केस में कोई नया विवाद या नए पंचोदघियां पैदा नहीं हो, इसके लिए कोर्ट से विदेश जाने की मंजूरी लेने के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया है। इसलिए उन्हें विदेश जाने की मंजूरी दी जाए।

हरियाणा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) छूटभैये नेताओं को नहीं सौंपने चाहिए तथा बाहरी लोगों की स्फियारिंशें को मानने से बचना होगा। और उन्हें इस बात का भी जायजा लेते रहने की जरूरत है कि उनकी नाक के नीचे क्या हो रहा है।